

डॉ. गैरी येट्स, जेरेमिया, व्याख्यान 30, जेरेमिया 50-51, राष्ट्रों के विरुद्ध भविष्यवाणी, बेबीलोन

© 2024 गैरी येट्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह यिर्मयाह की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. गैरी येट्स हैं। यह अंतिम सत्र है, सत्र 30, यिर्मयाह 50-51 पर, राष्ट्र की भविष्यवाणी, विशेष रूप से बेबीलोन पर केंद्रित है।

यिर्मयाह की पुस्तक में यह हमारा अंतिम पाठ और सत्र है।

मैं आपमें से उन लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने इसे देखा होगा या इसमें भाग लिया होगा। मेरी प्रार्थना, मेरी इच्छा यह है कि भगवान ने, शायद इसके माध्यम से, यिर्मयाह की पुस्तक के लिए आपका प्यार बढ़ाया है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि, आपको भविष्यवक्ताओं के भगवान के प्रति गहरा प्यार और समझ दी है। अंततः यह परियोजना और यह लक्ष्य इसी बारे में है।

सिर्फ लोगों को बाइबल की जानकारी से भरना नहीं, बल्कि उन्हें परमेश्वर को और भी गहराई से और पूरी तरह से जानने में मदद करना। और मेरा मानना है कि भविष्यवक्ता हमें ऐसा करने में मदद करते हैं, जो कि कैनेन के किसी अन्य भाग के लिए सच नहीं है। परमेश्वर के वचन का हर भाग हमारे लिए एक अनूठा योगदान देता है।

जब हम परमेश्वर के वचन के कुछ हिस्से को छोड़ देते हैं, तो हम उस चीज़ से चूक जाते हैं जो परमेश्वर हमें उसके ज़रिए बता रहा है। और हममें से बहुत से ईसाईयों ने, मुझे लगता है कि भविष्यवक्ताओं की बात न सुनकर बहुत कुछ खो दिया है। इसलिए, इसका हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

आप में से जो लोग इस सब से गुज़रे हैं, वे किसी न किसी तरह के पदक के हकदार हैं। लेकिन आप में से जो लोग शायद सिर्फ कुछ अंशों से ही गुज़रे हैं, उनके लिए मुझे उम्मीद है कि यह मददगार रहा होगा। मैं अपने पिछले पाठ के बाद राष्ट्रों के विरुद्ध भविष्यवाणियों पर दूसरा पाठ शुरू करना चाहता हूँ और अध्याय 50 और 51 में बेबीलोन के न्याय पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ।

इससे पहले कि हम उन विशिष्ट अध्यायों में जाएँ, मैं आपको कुछ याद दिलाना चाहता हूँ जिसके बारे में हमने पिछली बार बात की थी। मुझे लगता है कि भविष्यवाणी के साथ एक समस्या यह है, और विशेष रूप से जब हम अंत समय के बारे में परलोक विद्या और भविष्यवाणी के बारे में सोचना शुरू करते हैं, तो हम अक्सर भविष्यवक्ताओं के पास जाना चाहते हैं और अंत समय की घटनाओं या आज की हमारी राजनीतिक स्थिति में चल रही चीज़ों के बारे में बहुत विस्तृत और विशिष्ट जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं और लगभग कोडित जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं जो हमें चल रही चीज़ों के बारे में अंदरूनी सच्चाई दे रही है। कभी-कभी यह केवल हमारी जिज्ञासा को संतुष्ट करने के लिए होता है या कभी-कभी दुनिया में चल रही चीज़ों के लिए चिंता होती है जो

बहुत सामान्य होती हैं, लेकिन हो सकता है कि बाइबल हमें जो संदेश देने के लिए डिज़ाइन की गई है, उसकी गलतफहमी हो।

मैं नहीं मानता कि भविष्यवक्ताओं को हमें अंत समय की घटनाओं के बारे में विस्तृत और विशिष्ट जानकारी देने के लिए बनाया गया है। भविष्यवक्ता जो कुछ करते हैं वह हमें कुछ सामान्य पैटर्न और चीजें दर्शाते हैं जिससे हम निश्चित हो सकते हैं कि ईश्वर भविष्य में क्या कर रहा है, जो ईश्वर ने अतीत में किया है। कई बार आवर्ती पैटर्न होते हैं।

परमेश्वर ने अतीत में क्या किया है, परमेश्वर ने लोगों और राष्ट्रों के साथ कैसा व्यवहार किया है, और यिर्मयाह 46 से 51 में ये राष्ट्र, उनका न्याय कैसे किया जा रहा है और परमेश्वर ने उनका न्याय क्यों किया, यह इस बात का प्रतिरूप है कि परमेश्वर आज राष्ट्रों का कैसे न्याय करता है और यह भी दर्शाता है कि परमेश्वर भविष्य में किस प्रकार का न्याय करने जा रहा है। इसी तरह, परमेश्वर के लोगों के रूप में इस्राएल के जो अनुभव हुए, वे आज के ईसाइयों और विश्वासियों के रूप में हमारे अनुभवों से बहुत मिलते-जुलते हैं, लेकिन भविष्यवाणी हमें हमेशा विशिष्ट जानकारी देने की तुलना में सामान्य पैटर्न देने के लिए अधिक है। मुझे शीत युद्ध के दिनों की याद है, और यहां तक कि एक युवा व्यक्ति के रूप में, बाइबिल की भविष्यवाणी पर अपने पहले उपदेशों और संदेशों को सुनते हुए, यह अक्सर इस तरह के शीर्षक होते थे, रूस के साथ आने वाला युद्ध, और कैसे इस्राएल और रूस के बीच इस युद्ध की भविष्यवाणी यहजेकेल 38 और 39 में गोग और मागोग मार्ग जैसे अंशों में की गई थी।

1999 में, एक पादरी के रूप में, मुझे मॉस्को में बाइबिल संस्थान में भविष्यवक्ताओं को पढ़ाने का अवसर मिला। हम यहजेकेल की पुस्तक पर पहुँचे, और फिर हम यहजेकेल 38 पर पहुँचे। इससे पहले कि हम अंश में पहुँचते, सोवियत काल के दौरान समाचार टिप्पणीकार रहे छात्रों में से एक ने कहा, मैं हमेशा एक अमेरिकी पादरी से यह सवाल पूछना चाहता था: आप लोग हमेशा यह प्रचार क्यों करते हैं कि हम मागोग के गोग हैं? उनसे इस मुद्दे पर बात करना एक दिलचस्प चिंतन और भविष्यवक्ताओं पर एक दिलचस्प दृष्टिकोण है।

वे रूस को मागोग के गोग के साथ जोड़ने से खुश नहीं थे। बेशक, असली मुद्दा यह है कि पाठ वास्तव में क्या कहता है? यह नहीं कि हम इसे पसंद करते हैं या नहीं, लेकिन जैसा कि मैंने उन प्रकार के अंशों का अध्ययन किया है, जैसा कि मैंने भविष्यवक्ताओं का अध्ययन किया है, जैसा कि मैंने उन चीजों के बारे में इन भविष्यवाणियों का अध्ययन किया है जो अंत के समय में होने वाली हैं, वे अक्सर हमें लंगर की सामान्य तस्वीरें देने के लिए अधिक होते हैं जिन्हें हम पकड़ सकते हैं। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यहजेकेल 38 से 39 हमारे लिए रूस के साथ आने वाले युद्ध जैसी विशिष्ट भविष्यवाणी करता है।

लेकिन भविष्यवक्ता हमें बताते हैं कि परमेश्वर की योजनाओं में एक युगांतकारी युद्ध अवश्य है। राष्ट्रों पर आक्रमण होने जा रहा है जो यिर्मयाह के दिनों में बेबीलोन और यहूदा के साथ हुए आक्रमण जैसा ही है। राष्ट्र फिर से आने वाले हैं, और परमेश्वर उस युगांतकारी युद्ध का उपयोग राष्ट्रों और परमेश्वर के लोगों दोनों के विरुद्ध न्याय करने के लिए करने जा रहा है।

आप उस युद्ध के बारे में यहजेकेल 38, मीका 5, योएल 3, सपन्याह 3, जकर्याह 12, जकर्याह 14, प्रकाशितवाक्य 16 और 19 जैसी जगहों पर पढ़ सकते हैं, क्योंकि यह हर-मगिदोन की लड़ाई के बारे में बात करता है। लेकिन यह हमें एक सामान्य तस्वीर देने के लिए है कि परमेश्वर राष्ट्रों और इसराइल पर न्याय लागू करने जा रहा है। भविष्यवाणी को इस उद्देश्य से नहीं बनाया गया है कि हमें वहां आने वाले सभी खिलाड़ियों की संख्या और नामों के साथ एक कार्यक्रम दिया जाए।

जब मैं बेसबॉल खेल में जाता हूँ, तो मैं हमेशा उन टीमों की सराहना करता हूँ जिनकी वर्दी के पीछे उनके खिलाड़ियों के नाम होते हैं। इसे पहचानना आसान है। लेकिन भविष्यवाणी में, आमतौर पर खिलाड़ियों का नाम वर्दी पर नहीं होता है।

यहां तक कि यहजेकेल 38 में मागोग के गोग मार्ग जैसे एक अनुच्छेद में, ऐसे विशिष्ट राष्ट्र हैं जिनका उल्लेख इस राजा के सहयोगी के रूप में किया गया है, जिसका नाम मागोग का गोग है। लेकिन मेरा मानना है कि वहां के राष्ट्र केवल एक विश्वव्यापी गठबंधन के प्रतिनिधि हैं जो अंतिम दिनों में भगवान के लोगों पर हमला करने जा रहे हैं, और भगवान उन पर फैसला लाएंगे। उस परिच्छेद में सात राष्ट्रों का उल्लेख है।

वे कम्पास पर चार दिशाओं से आते हैं। हमारे लिए निर्दिष्ट करने का प्रयास करने के बजाय, यह ये लोग और यह समूह और वे राष्ट्र होंगे जो इस विशेष भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं। यदि आप उन भौगोलिक क्षेत्रों में नहीं रहते हैं, तो हमारे पास कहने के लिए बहुत कुछ नहीं है।

लेकिन यदि यह अनुच्छेद हमारे लिए ईश्वर के विरुद्ध एक विश्वव्यापी विद्रोह का चित्रण कर रहा है, और जहां मानवीय अहंकार और मनुष्य द्वारा ईश्वर के विरोध में स्थापित किया गया प्रति साम्राज्य अंततः हमें आगे ले जा रहा है, तो अंततः इसमें हममें से प्रत्येक के लिए कहने के लिए कुछ न कुछ है। राष्ट्रों के फैसले और भगवान के लोगों के उद्धार के बारे में भविष्यवाणी की सबसे बड़ी बात यह है कि यह हमें आश्वासन देती है कि अंततः, भगवान के लोगों के रूप में, भगवान जीतते हैं। हम विजेता टीम में हैं।

हम परमेश्वर के राज्य का हिस्सा हैं। अंततः, ये साम्राज्य आते रहेंगे और चले जायेंगे। ये राष्ट्र आते-जाते रहेंगे।

मनुष्य ने परमेश्वर के सच्चे राज्य के विरोध में जो प्रति-राज्य स्थापित किया है, वह परमेश्वर की अवहेलना करेगा और अंत तक परमेश्वर के लोगों का विरोध करेगा और उन पर अत्याचार करेगा। वह लड़ाई हमेशा रहती है। वही बात जो यिर्मयाह के दिनों में चल रही थी, अंततः परमेश्वर की जीत होती है।

फिर से, मैं एक और खेल चित्रण के लिए क्षमा चाहता हूँ, और यह आखिरी चित्रण होगा क्योंकि हम आखिरी वीडियो पर हैं। मैं यह वादा कर सकता हूँ। लेकिन जब मैं किसी ऐसे खेल का वीडियो या रिकॉर्डिंग देखता हूँ जिसमें मेरी पसंदीदा टीम खेल रही होती है, अगर मुझे उस खेल का नतीजा पता होता है, तो मैं वास्तव में परेशान नहीं होता अगर दूसरे क्वार्टर में कोई गड़बड़ी होती है या अगर वे हाफटाइम में पीछे रह जाते हैं क्योंकि मुझे अंतिम परिणाम पता होता है।

मेरा मानना है कि भविष्यवाणी हमें अंतिम परिणाम का आश्वासन देने और यह कहने के लिए डिज़ाइन की गई है कि चाहे परमेश्वर के लोग किसी भी स्थिति का सामना करें, परमेश्वर अंततः उन्हें बचाएगा, और परमेश्वर अंततः दुष्टों का न्याय करेगा और उन्हें नष्ट करेगा। जब हम यिर्मयाह अध्याय 50 और 51 पर आते हैं, तो हम यिर्मयाह की पुस्तक के अंतिम भाग के रूप में बेबीलोन के न्याय पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जैसा कि हमने राष्ट्रों के विरुद्ध इन अन्य भविष्यवाणियों के न्याय के बारे में बात की थी, मेरा मानना है कि हम मुख्य रूप से इतिहास में घटित न्याय के बारे में बात कर रहे हैं।

हम नव-बेबीलोन साम्राज्य के न्याय के बारे में बात कर रहे हैं जिसे नबूकदनेस्सर ने स्थापित किया था और जिस पर नबूकदनेस्सर राजा था और जिसने यहूदा के लोगों को निर्वासित कर दिया था। यह लोगों के उस विशिष्ट समूह का न्याय है। यह किसी ऐसी चीज़ के बारे में कोड़ित युगांतशास्त्रीय संदेश नहीं है जो अंत के समय में होने वाली है, लेकिन जैसा कि हमने पिछले वीडियो में बात की थी, भले ही यह एक विशिष्ट राष्ट्र पर एक न्याय है जो बहुत समय पहले रहता था, इस मार्ग के ऐसे अनुप्रयोग और निहितार्थ हैं जो मुझे लगता है कि आज के ईसाइयों के रूप में हमारे लिए बहुत महत्व रखते हैं।

उनके अनुप्रयोग और निहितार्थ हैं जो हमें न केवल परमेश्वर के साथ हमारे रिश्ते के बारे में सोचने में मदद करते हैं बल्कि उस दुनिया के बारे में भी सोचते हैं जिसमें हम रहते हैं जहाँ मानवता जा रही है और अंततः इतिहास खुद कहाँ जा रहा है। यिर्मयाह की पुस्तक में बेबीलोन का न्याय बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वह चीज़ होगी जो परमेश्वर के लोगों के उद्धार और उद्धार को लेकर आएगी। यिर्मयाह का संदेश यह है कि प्रभु के पास एक योजना है।

उसने बेबीलोन को उंचा किया है। उसने नबूकदनेस्सर को राष्ट्रों और यहूदा पर एक खास कारण से आधिपत्य और नियंत्रण दिया है: यहूदा के लोगों पर उनके प्रभु के प्रति वाचा के विश्वासघात के लिए न्याय करने के लिए। प्रभु राष्ट्रों और परिस्थितियों और राजनीतिक घटनाओं और सेनाओं और उन सभी चीज़ों को निर्देशित करता है।

प्रभु उस पर संप्रभुतापूर्वक नियंत्रण रखते हैं, और प्रभु ने यहूदा के लोगों का न्याय करने के लिए बेबीलोनियों का इस्तेमाल किया। लेकिन 50 और 51 में वादा, और यह यिर्मयाह द्वारा अध्याय 50 में दिए गए उपदेश पर वापस जाता है, यह है कि परमेश्वर बेबीलोन का भी न्याय करने जा रहा है, और उसके माध्यम से, वह अपने लोगों का उद्धार करने जा रहा है। यहाँ वह वादा है जो बेबीलोन पर इस खंड की शुरुआत में यहूदा और इस्राएल को दिया गया है।

अध्याय 50 की आयत 4 और 5 में प्रभु कहते हैं, उन दिनों और उस समय प्रभु की घोषणा है, इस्राएल के लोग और यहूदा के लोग रोते हुए इकट्ठे होंगे और वे अपने परमेश्वर यहोवा की खोज करेंगे। इसलिए हम यहाँ इस्राएल की आध्यात्मिक बहाली, परमेश्वर के साथ उस रिश्ते के नवीनीकरण के बारे में बात कर रहे हैं। यह अंततः उस स्थान पर होने जा रहा है जहाँ इसे होना चाहिए क्योंकि लोग पश्चाताप करते हैं और परमेश्वर के पास आते हैं और अपने पाप को स्वीकार करते हैं।

यह नई वाचा है, यह शुब शबुओत है जिसके बारे में हम यिर्मयाह 30 से 33 में पढ़ते हैं। इसमें कहा गया है, वे सिथ्योन का रास्ता उसकी ओर मुंह करके पूछेंगे और कहेंगे, आओ हम सदा के लिए प्रभु से मिल जाएं। ऐसी वाचा जिसे कभी नहीं भुलाया जाएगा। इसलिए, यिर्मयाह अध्याय 31 में, प्रभु ने वादा किया है कि वह इस्राएल के लोगों के साथ एक नई वाचा बनाएगा।

यहाँ, यह कहा गया है कि लोग पहल करते हैं, और वे प्रभु के पास आते हैं और उनके साथ एक चिरस्थायी वाचा बनाते हैं। वह रिश्ता दोबारा बहाल होने जा रहा है। लेकिन अंततः उस रिश्ते को बहाल करने के लिए क्या होने वाला है, यिर्मयाह के दिनों में लोगों को भूमि पर वापस आने के लिए क्या करना होगा, वह यह है कि भगवान को बेबीलोनियों से निपटना होगा, और भगवान करेंगे इस साम्राज्य को खत्म करना है।

अध्याय 51, श्लोक 10 में यह कहा गया है, प्रभु ने हमारा न्याय किया है। आओ, हम सिथ्योन में अपने प्रभु परमेश्वर के कामों की घोषणा करें। इसलिए, बाबुल यहूदा का दुश्मन रहा है।

उन्होंने परमेश्वर के लोगों पर हमला किया है। प्रभु अंततः अपने लोगों को सही साबित करेंगे। परमेश्वर के लोगों पर चाहे जो भी हमला हो, चाहे जो भी अत्याचार हो, चाहे जो भी उत्पीड़न हो, परमेश्वर अंततः उन्हें सही साबित करेंगे और उन्हें मुक्ति दिलाएंगे।

ये साम्राज्य आते-जाते रहते हैं, जैसा कि दानियेल ने दर्शाया है, लेकिन अंततः, एक बड़ा पत्थर उन्हें कुचलने वाला है, और वह पत्थर परमेश्वर का राज्य है। इसलिए, बाबुल के न्याय में परमेश्वर के लोगों के अंतिम उद्धार का वादा है। इस उलटफेर के विचार को लाने या उजागर करने के लिए, कैसे परमेश्वर पहले यहूदा का न्याय करने के लिए बाबुल का उपयोग करने जा रहा है, और फिर प्रभु इस्राएल को बचाने के लिए बाबुल का न्याय करने जा रहा है।

यह पूर्ण उलटफेर हम अध्याय 50 और 51 में बेबीलोन के खिलाफ इन निर्णय भाषणों में देखते हैं, उन चीजों का प्रत्यक्ष उलटफेर जो हमने किताब के पहले हिस्सों में यहूदा के बारे में पढ़ा है। पुस्तक के पहले भाग में यहूदा के खिलाफ आने वाले फैसले का वर्णन और चित्रण किया गया है, यहां तक कि बेबीलोन के फैसले का वर्णन करने के लिए कुछ समान अंशों और शब्दावली का उपयोग किया गया है। तो, आइए देखें कि यह कैसे काम करता है।

यिर्मयाह की किताब के पहले हिस्सों में, जब भगवान यहूदा के लोगों के खिलाफ फैसला ला रहे थे, तो उन्होंने उन्हें चेतावनी दी कि एक उबलता हुआ बर्तन उत्तर की ओर झुक रहा है और इस जलते हुए तरल से उन्हें झुलसाने वाला है। यह शत्रु सेना का सशक्त वर्णन है। खैर, यिर्मयाह अध्याय 50, श्लोक 3 और 9 में, अब उत्तर से एक दुश्मन आक्रमण करेगा और बेबीलोन को नष्ट कर देगा।

बेबीलोन उत्तर से शत्रु था जिसने यहूदा पर आक्रमण किया। उत्तर से भी एक शत्रु आने वाला है जो बेबीलोन पर आक्रमण करेगा। यिर्मयाह अध्याय 21, श्लोक 1 से 5, भगवान को एक योद्धा के रूप में चित्रित करता है जो यहूदा के लोगों के खिलाफ पवित्र युद्ध लड़ने जा रहा है।

इसलिए, जब बेबीलोनियों ने आकर यरूशलेम पर घेरा डाला, तो नबूकदनेस्सर तकनीकी रूप से सेना का नेता नहीं था; प्रभु थे। प्रभु 21 से 1 से 5 में आई-विल छंदों की इन श्रृंखलाओं का उपयोग यह कहने के लिए करते हैं, यह सिर्फ बेबीलोनियों के लिए नहीं है; यह यहोवा ही है जो तुम्हारे विरुद्ध लड़ रहा है। यिर्मयाह की पुस्तक में कई बार यह विचार आया है कि प्रभु ने यरूशलेम को नबूकदनेस्सर के हाथ में दे दिया है।

खैर, यिर्मयाह 50 और 51 में, यहाँ जो चल रहा है वह यह है कि प्रभु बेबीलोन के विरुद्ध एक पवित्र युद्ध का नेतृत्व कर रहे हैं। यिर्मयाह अध्याय 50, श्लोक 25 और 27 में प्रभु यह कहते हैं: प्रभु ने अपने शस्त्रागार को खोल दिया है और अपने क्रोध के हथियार निकाल लिए हैं क्योंकि सेनाओं के प्रभु परमेश्वर, सेनाओं के प्रभु को कसदियों के देश में एक काम करना है। हर दिशा से उसके विरुद्ध आओ, उसके अन्न भंडार खोलो, उसे अनाज के ढेर की तरह ढेर करो, और उसे विनाश के लिए समर्पित करो।

उसमें से कुछ भी न बचे। इसलिए, जिस तरह से परमेश्वर ने यहूदा के खिलाफ पवित्र युद्ध लड़ा था, उसी तरह से प्रभु बेबीलोन के खिलाफ पवित्र युद्ध लड़ने वाले हैं। अध्याय 50 श्लोक 41 से 43 में, वहाँ बेबीलोन की बेटी के खिलाफ एक संदेश दिया गया है।

यह विडंबना है कि उसे यहूदा और यरूशलेम की तरह ही एक युवा महिला के रूप में वर्णित किया गया है, जो सियोन की बेटी है। तो, यिर्मयाह की पुस्तक में क्या होने वाला है? पुस्तक के शुरुआती हिस्सों में, सियोन की बेटी का न्याय किया जाएगा। पुस्तक के दूसरे भाग में या यहाँ के अंतिम भाग में, यह बेबीलोन की बेटी है जिसे नष्ट किया जाएगा।

यिर्मयाह के अध्याय 50, श्लोक 41 से 43 में एक ऐसा अंश है जो अध्याय 6, श्लोक 22 से 24 में दिए गए अंश का सीधा उद्धरण है। अब, संदेश यहूदा के बारे में नहीं है; संदेश बेबीलोन के बारे में है। मैं वहाँ का अंश पढ़ता हूँ।

देखो, उत्तर दिशा से एक शक्तिशाली जाति आ रही है, और पृथ्वी के दूर दूर से बहुत से राजा आ रहे हैं। वे धनुष और भाला लिए हुए हैं। वे क्रूर हैं और उनमें दया नहीं है।

उनकी आवाज़ समुद्र की गर्जना जैसी है। वे घोड़ों पर सवार हैं, हे बेबीलोन की बेटी, तुम्हारे खिलाफ युद्ध के लिए तैयार हैं। ठीक है, अब मेरे पास उपदेश हैं जिन्हें मैंने पहले इस्तेमाल करने की कोशिश की थी।

जाहिर है, यिर्मयाह भी यही करता है। और आप जानते हैं कि मैंने यरूशलेम के खिलाफ जो संदेश दिया था? वह अच्छा था। मैं इसे सामने लाकर बेबीलोन के खिलाफ प्रचार करने जा रहा हूँ।

लेकिन एक पादरी द्वारा अपने उपदेश को दोहराने या एक भविष्यवक्ता द्वारा अपने उपदेश को दोहराने के अलावा, मुझे लगता है कि हमारे पास एक धार्मिक संदेश है। ठीक उसी तरह का न्याय जो शुरू में यहूदा के खिलाफ लाया गया था, अंत में बेबीलोन के खिलाफ लाया जाएगा। यहाँ परमेश्वर जो करता है उसमें पूर्ण न्याय है।

बाबुल का इस्तेमाल परमेश्वर ने अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया था, लेकिन यह बाबुल का इरादा नहीं था। वे प्रभु की इच्छा पूरी करने के लिए वहां नहीं थे। वे एक साम्राज्य स्थापित करने की अपनी लालची योजनाओं को पूरा करने के लिए वहां थे।

भविष्यसूचक न्याय यह मांग करने जा रहा है कि उन्हें ईश्वर से वही चीज़ वापस मिले जो उन्होंने इज़राइल को दी थी। पुस्तक के पहले भागों में, अध्याय 4-6 में, एक आक्रमणकारी सेना की तस्वीरें हैं जो यहूदा में आ रही हैं, और कभी-कभी यह भी पता नहीं चलता कि यह सेना कौन है। और यिर्मयाह 4-6 में लोगों के लिए आह्वान हैं: तुरही बजाओ, अलार्मों पर ध्यान दो, गढ़वाले शहरों के अंदर जाओ, और अपने आप को छिपाओ।

वहाँ एक शत्रु सेना आ रही है, और वे क्रूर हैं। बेहतर होगा कि आप उनसे सावधान रहें। खैर, अध्याय 51, श्लोक 27 में, यह वह संदेश है जो बेबीलोन को दिया गया है।

पृथ्वी पर एक मानक स्थापित करो, राष्ट्रों के बीच तुरही बजाओ, और राष्ट्रों को उसके विरुद्ध युद्ध के लिए तैयार करो। ठीक है, अब यह बेबीलोन है जिसे तुरही बजानी होगी और अपनी मजबूत दीवारों के पीछे जाना होगा क्योंकि अब आक्रमण उनके खिलाफ है। इससे पहले पुस्तक में, यरूशलेम के योद्धाओं की तुलना उन महिलाओं से की गई है जो बाल श्रम में दर्द के कारण झुक रही हैं जिसे वे अनुभव करने जा रही हैं।

50-51 में वादा या चेतावनी यह है कि बेबीलोन के योद्धा डर के मारे महिलाओं की तरह बनने जा रहे हैं। तो, भगवान पूर्ण न्याय का क्रियान्वयन करने जा रहे हैं। ठीक है, अब हम इसे सुनते हैं, हम इसे पढ़ते हैं, हम जानते हैं कि यह ऐतिहासिक रूप से घटित हुआ है, लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप कल्पना करें कि इस संदेश का यहूदा के लोगों पर या निर्वासित लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा होगा जो शायद बेबीलोन में रह रहे हैं और इस साम्राज्य के बीच में रह रहे हैं।

बेबीलोन उस समय दुनिया का सबसे महान शहर था। बेबीलोन एक साम्राज्य है और यिर्मयाह के लिए वहाँ खड़ा होना और कहना, भगवान निर्वासितों के इस गरीब समूह को छुड़ाने और उन्हें वापस लाने और उन्हें सुधारने और उन्हें एक राष्ट्र में फिर से स्थापित करने वाले हैं। दूसरी ओर, परमेश्वर दुनिया के सबसे शक्तिशाली शहर को नष्ट करने वाला है।

मेरा मतलब है, इसमें एक अविश्वसनीय आश्चर्य तत्व है। दुनिया में प्रभु ऐसा कैसे करने जा रहे हैं? लेकिन प्रभु अपनी शक्ति के चरम पर भी बेबीलोन जैसे राष्ट्र को नष्ट करने जा रहे हैं, और हम जानते हैं कि नव-बेबीलोन साम्राज्य बहुत लंबे समय तक नहीं चला। इन भविष्यवाणियों में कई स्थानों पर, यिर्मयाह बेबीलोन शहर को घेरने वाली दीवारों और किलेबंदी का उल्लेख करने जा रहा है।

मैं इनमें से कुछ को नोट करना चाहता था। अध्याय 51, श्लोक 53 यह कहता है, "...हालाँकि बेबीलोन को स्वर्ग तक चढ़ना चाहिए," और मैं मदद नहीं कर सकता, लेकिन बेबीलोन के टॉवर, उत्पत्ति की पुस्तक के बारे में सोचता हूँ, "...और हालाँकि उसे अपनी किलेबंदी करनी चाहिए मजबूत ऊँचाई, फिर भी मेरे पास से विध्वंसक उसके विरुद्ध आएँगे," प्रभु की यही वाणी है।

अध्याय 51, श्लोक 58, बेबीलोन की दीवारों का भी संदर्भ देता है, "... सेनाओं का यहोवा यों कहता है, बेबीलोन की चौड़ी दीवार भूमि पर समतल कर दी जाएगी, और उसके ऊंचे फाटक आग में जला दिए जाएंगे, लोगों के व्यर्थ परिश्रम करते हैं, और जातियां आग के लिये ही परिश्रम करती हैं।" बेबीलोन की किलेबंदी और सुरक्षा उनकी रक्षा करने वाली नहीं है।

मैं इस पाठ की तैयारी में पढ़ रहा था, जोंडरवन सचित्र बाइबिल पृष्ठभूमि टिप्पणी में नबूकदनेस्सर के समय के दौरान बेबीलोन शहर की किलेबंदी का वर्णन था। वे यह विवरण देते हैं। इसमें कहा गया है कि नबूकदनेस्सर के समय, बेबीलोन शहर की भीतरी दीवार की मोटाई लगभग इक्कीस फीट थी, और बाहरी दीवार की मोटाई लगभग बारह फीट थी।

इसके साथ ही, नबूकदनेस्सर, हमने उसके बारे में बाइबिल के अतिरिक्त अभिलेखों में एक योद्धा और एक विजेता के रूप में पढ़ा है, उसे एक निर्माता, एक प्रवर्तक और एक निर्माता के रूप में चित्रित किया गया है। नबूकदनेस्सर ने दीवार के चारों ओर एक सुरक्षात्मक खाई भी खुदवा दी और उसे पानी से भर दिया। उन्होंने कृत्रिम झीलों और बाढ़ वाले क्षेत्रों की एक प्रणाली के साथ दीवारों की सुरक्षा बढ़ा दी, जिससे एक बार फिर सेना के लिए शहर पर आक्रमण करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

दीवारों को अनेक द्वारों से सुदृढ़ किया गया था। जिस इश्तार गेट की आप अक्सर तस्वीरें देखते हैं, वह इसका सबसे प्रसिद्ध उदाहरण है। आप उसका एक मॉडल बर्लिन के संग्रहालय में देख सकते हैं, और उस दीवार के चारों ओर ढाई सौ मीनारें थीं।

हम एक प्रभावशाली शहर के बारे में बात कर रहे हैं। और एक निर्वासित के रूप में, या शायद कोई ऐसा व्यक्ति जो बाबुल शहर को बाहर से देखेगा, भगवान इसे कैसे लाने जा रहा है? ईश्वर इसे कैसे आगे बढ़ाएगा? यह एक प्रभावशाली शहर था। आपके पास शहर के अंदर नबूकदनेस्सर के लटकते बगीचे थे, एंटोमेनाचे का मंदिर था जो बेबीलोन के देवताओं के लिए बनाया गया था, ड्रेगन और शेरों के प्रतिनिधित्व थे, और बैल जो बेबीलोन के शक्तिशाली देवताओं का प्रतिनिधित्व करते थे।

यह सब कैसे घटित होगा? परमेश्वर इसे घटित करने जा रहा है, और परमेश्वर इसे पूरा करने जा रहा है। इस सब के बारे में बहुत दिलचस्प बात यह है, और बाइबिल की भविष्यवाणी के बारे में सोचते हुए, यिर्मयाह के समय के कुछ सौ वर्षों के भीतर, बेबीलोन शहर सभी व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए अनिवार्य रूप से अस्तित्व में नहीं रहा। दूसरी शताब्दी ई. में, लुसियन ने यह टिप्पणी की।

वह कहता है कि निनवेह बिना किसी निशान के गायब हो गया है, और जल्द ही लोग बेबीलोन की भी व्यर्थ खोज करेंगे। तो, यह शहर है। उस दिन और उस समय में, यह कैसे होने वाला था? कुछ सौ सालों के भीतर, बेबीलोन को भुला दिया गया।

यह हमारे लिए एक बड़ी चेतावनी है। हम सोचते हैं कि हमारा देश हमारी सैन्य या आर्थिक स्थिति के कारण मजबूत है। कुछ सौ सालों में, हम शायद टिक नहीं पाएंगे।

यहजेकेल अध्याय 31 में दुनिया के साम्राज्यों, या कम से कम प्राचीन निकट पूर्व के साम्राज्यों का वर्णन है। यह मेरे लिए सबसे ज़्यादा डराने वाले अंशों में से एक है। यह आपको बस रुककर सोचने पर मजबूर करता है।

यह एक ऐसा अंश है जो मिस्रियों और फिरोन पर न्याय की घोषणा करता है। फिर से, एक शक्तिशाली राष्ट्र, एक साम्राज्य। यह वह राष्ट्र नहीं है जो पहले था, लेकिन यह अभी भी एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है।

लेकिन मिस्र में फिरोन के खिलाफ़ इस फैसले के अंत में, भविष्यवक्ता कहता है, उस दिन, देवदार अधोलोक में चला गया और शोक का कारण बना। इस बात पर बस दुख है कि मिस्र का राजा अधोलोक में जा रहा है। मुझे खेद है, यह अध्याय 32 में है, अध्याय 31 में नहीं।

जब मिस्र का राजा शीओल में आता है, तो यह देखना दिलचस्प होता है कि वह वहाँ क्या खोजता है। श्लोक 22, अशूर वहाँ है और उसकी सारी टोली। श्लोक 24, एलाम वहाँ है और उसकी कब्र के चारों ओर उसकी सारी भीड़ है।

पद 26, मेशक-तूबल और उसकी सारी भीड़ वहाँ है - यह उन लोगों में से एक है जिनका उल्लेख यहजेकेल 38 में गोग और मागोग के अंश में किया गया है। पद 29, एदोम वहाँ है, उसके राजा और उसके सभी हाकिम, जो अपनी सारी शक्ति के बावजूद तलवार से मारे गए लोगों के साथ रखे गए हैं।

पद 30, उत्तर के राजकुमार वहाँ हैं, वे सभी और सीदोनवासी। पद 31, जब फिरोन उन्हें देखेगा, तो उसे कम से कम यह तसल्ली होगी कि वे उसके साथ हैं। अब, मैंने पिछले हफ़्ते किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में सुना जो टेक्सस के लोगों के लिए बाइबल को अपडेट करने और उनके मुहावरों का उपयोग करने के लिए टेक्सास बाइबल लिख रहा है।

यदि हमें ईजेकील की पुस्तक का एक अद्यतन संस्करण लिखना होता, तो हम उन सभी राष्ट्रों और सभी साम्राज्यों के बारे में लिख सकते थे जो इतिहास में गिर गए हैं और कह सकते हैं कि वे मिस्रवासियों के साथ हैं। और किसी दिन, कोई लिखेगा कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी सारी भीड़ के साथ वहाँ मौजूद है। और इसलिए, ये अंश, हाँ, वे ऐतिहासिक निर्णय हो सकते हैं जिन्हें भगवान ने अतीत में निष्पादित किया था, लेकिन वे इस बात की याद दिलाते हैं कि राष्ट्रों के लिए क्या आने वाला है और भगवान अभी भी वर्तमान में क्या कर रहे हैं।

ईश्वर अभी भी राष्ट्रों का न्याय करता है, कभी-कभी इतिहास के भीतर और अंततः इतिहास के अंत में उन सभी का। 1899 में, जब बेबीलोन पर खुदाई कर रहे जर्मन पुरातत्वविदों ने अपना काम शुरू किया, तो पूरा शहर ढक गया था और व्यावहारिक रूप से अज्ञात था। वास्तव में, उस समय भी ऐसे लोग थे जिन्होंने बाइबिल में नबूकदनेस्सर के बारे में पढ़ा और सवाल किया कि वह एक ऐतिहासिक व्यक्ति थे या नहीं।

खैर, आश्चर्य की बात यह है कि यह शक्तिशाली राष्ट्र गिरने वाला है, और इसका शहर अचल और अनुल्लंघनीय लगता है, लेकिन जब भगवान का न्याय आएगा, तो उनकी दीवारें उनकी रक्षा नहीं

करेंगी। ठीक है। मुझे लगता है कि मैंने शायद इस बात पर काफ़ी ज़ोर दिया है, लेकिन मैं इसे एक बार और कहना चाहता हूँ।

यह अध्याय 50 और 51 में एक निर्णय है जो इतिहास में घटित कुछ चीज़ों का वर्णन करता है। फिर, मुझे विश्वास नहीं है कि यह एक कोडित युगांतशास्त्रीय संदेश है। यह नव-बेबीलोनियन साम्राज्य का पतन और बेबीलोन और उस साम्राज्य का पतन है और यह 538 ईसा पूर्व में फारसियों और साइरस के लिए प्रतिनिधित्व करता था।

अब, कुछ लोगों ने सवाल किया है कि क्या वहां जो हो रहा है उसका वर्णन करने या चित्रित करने का यह एक सटीक तरीका है, और यही कारण है कि यह एक मुद्दा है। जैसा कि यिर्मयाह यहां बेबीलोन के पतन का वर्णन कर रहा है, शहर के पतन का वर्णन पूर्ण विनाश के संदर्भ में किया गया है। शहर का पतन होने वाला है।

वहां कोई भी नहीं बचेगा। यह खंडहरों के ढेर, गीदड़ों और इस तरह की सभी चीज़ों का अड्डा बन जाएगा। कुछ लोगों ने तर्क दिया है कि अतीत में बेबीलोन का निर्णय संभवतः यहाँ वर्णित की पूर्ण पूर्ति नहीं हो सकता है।

जब साइरस और फारसियों ने बेबीलोन शहर पर कब्जा कर लिया, तो उन्होंने बिना किसी गोली के इसे अपने कब्जे में ले लिया। दरअसल, उस समय बेबीलोन में रहने वाले बहुत से लोग फारसियों को उद्धारकर्ता के रूप में देखते थे। यह अनुच्छेद इस विनाशकारी न्याय के बारे में कैसे बात कर सकता है जहां शहर खंडहरों के ढेर में बदल जाएगा, और कोई भी वहां नहीं बचेगा? इतिहास में जो कुछ हुआ उससे वह कैसे पूरी हुई? इसके परिणामस्वरूप और यहां बेबीलोन के संदर्भ में उपयोग की जाने वाली इस विनाश भाषा के कारण, कई लोगों ने तर्क दिया है कि यह अनुच्छेद जिसके बारे में बात कर रहा है वह बेबीलोन का पुनर्निर्माण और बेबीलोन का विनाश है जो अंत समय में होता है।

प्रकाशितवाक्य 17 और 18 में मसीह विरोधी के संबंध में महान बेबीलोन के पतन के बारे में भी बात की गई है। कई लोगों ने इसे एक ऐतिहासिक परिच्छेद नहीं बल्कि एक युगान्तकारी परिच्छेद माना है। खाड़ी युद्ध और इराक के साथ संघर्ष के दौरान यिर्मयाह 50 और 51 और अन्य पुराने नियम की भविष्यवाणियों के कई लोकप्रिय उपचार थे।

विचार यह था कि संयुक्त राज्य अमेरिका और सद्दाम हुसैन के बीच संघर्ष और उस समय जो कुछ भी चल रहा था वह यिर्मयाह और यशायाह के इन अंशों की पूर्ति थी जो बेबीलोन के विनाश के बारे में बात करते हैं। और यह प्रस्तावना है या यह अंतिम दिनों में अंत समय की शुरुआत है। इसमें घी डालने वाली बात यह है कि सद्दाम हुसैन ने अपने शासनकाल के दौरान यह निर्णय भी लिया था कि वह बेबीलोन के प्राचीन खंडहरों के पुनर्निर्माण का प्रयास करने जा रहे हैं।

और जब वह यह काम कर रहा था और शहरों का पुनर्निर्माण कर रहा था, तो उसने वहाँ शिलालेख भी लगवाए। इसे नबूकदनेस्सर के बेटे सद्दाम हुसैन ने इराक को गौरवान्वित करने के लिए बनवाया था। हालाँकि, सद्दाम हुसैन की योजनाएँ बाधित हो गई हैं।

और इसलिए, यह विचार कि यह अंत समय की शुरुआत थी, उस समय बहुत लोकप्रिय था जब सद्दाम हुसैन सत्ता में थे और जब इराक युद्ध चल रहा था। लेकिन मुझे लगता है कि यहाँ जो विनाश की भाषा है, उसकी एक बेहतर व्याख्या हो सकती है। यहाँ विनाश की भाषा बेबीलोन के फारसियों के हाथों पतन को इस तरह से चित्रित कर रही है जैसा कि हम भविष्यवाणी साहित्य में देखते हैं।

और शहर को निवासियों के बिना छोड़ दिए जाने, इसके सियारों का अड्डा बन जाने और इस तरह की अन्य चीजों के बारे में ये बातें, इसकी अभिशाप भाषा जो पूरे प्राचीन निकट पूर्व में बार-बार आती है। और कई बार जब राजा एक-दूसरे के साथ संधि करते थे, तो वे एक-दूसरे को इस प्रकार के श्राप देते थे। यदि तुम इस वाचा का पालन नहीं करोगे, तो तुम्हारा नगर खंडहरों का अड्डा बन जाएगा, और तुम्हारा शरीर आकाश के पक्षी खा जाएंगे।

जब मूसा के समय में परमेश्वर ने इस्राएल के साथ अपनी वाचा बाँधी थी, तो उसने वाचा के शापों को कार्यान्वित किया था जो कई मायनों में इन प्राचीन निकट पूर्वी शापों की तरह लगते थे। तो, हमारे पास यिर्मयाह 50 और 51 में बेबीलोन के विनाश के बारे में कथन हैं जो इस तरह पढ़ते हैं, अध्याय 50, श्लोक 39 और 40। इसलिए, बेबीलोन में लकड़बग्घों के साथ जंगली जानवर निवास करेंगे, और शत्रुमुर्ग उसमें निवास करेंगे।

उसमें फिर कभी लोग नहीं होंगे और न ही वह सभी पीढ़ियों तक बसा रहेगा। अध्याय 51, श्लोक 37, सुनें कि इसमें क्या कहा गया है। बाबुल खण्डहरों का ढेर, गीदड़ों का अड्डा, भय का कारण और निवासियों से रहित तालुका का स्थान हो जाएगा।

तो इस प्रकार के विवरणों का उपयोग इस बारे में बात करने के लिए कैसे किया जा सकता है कि क्या हुआ जब साइरस ने, मूल रूप से बिना किसी गोली के, बेबीलोन शहर पर कब्ज़ा कर लिया? खैर, उत्तर फिर से यह है कि भविष्यवक्ता प्राचीन निकट पूर्व की शापित भाषा का उपयोग कर रहा है जो बेबीलोन साम्राज्य के पतन को स्पष्ट करता है। हम आवश्यक रूप से बेबीलोन के लटकते बगीचों से शत्रुमुर्गों को उड़ते हुए देखने की उम्मीद नहीं करते हैं। यह बस वाचा अभिशाप भाषा है।

तो, इस भविष्यवाणी की पूर्ति साइरस और फारसियों द्वारा की गई थी। भविष्यवाणी अनिवार्य रूप से पूरी हुई, भले ही यह नव-बेबीलोनियन साम्राज्य के अंत तक बिल्कुल शाब्दिक तरीके से पूरी नहीं हुई। यह परिच्छेद इसी बारे में है।

यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि जब आप यिर्मयाह की पुस्तक में कहीं और देखते हैं, तो यरूशलेम के संदर्भ में इसी प्रकार की शाप भाषा का उपयोग किया जाता है। हम हमेशा इसका शाब्दिक अर्थ नहीं निकालते हैं। यिर्मयाह अध्याय 9 पद 11 में कहा गया है कि कोई भी यहूदा के शहर या यरूशलेम के शहर या यहूदा के शहरों में नहीं रहेगा।

मुझे लगता है कि यह वही है जो वहाँ लिखा है। 25.9, यरूशलेम हमेशा के लिए बर्बाद हो जाएगा। यह सात्वना की पुस्तक के प्रकाश में कुछ समस्याएँ पैदा करता है जो कहता है कि वे पुनर्निर्माण करने जा रहे हैं और अपने शहरों को वापस लाएँगे और पुनर्स्थापित करेंगे।

तो, यहूदा के विनाश का सजीव वर्णन करने के लिए यह अभिशाप भाषा है, और यहां 50 और 51 में, यह प्राचीन बेबीलोन के पतन और नबूकदनेस्सर द्वारा शासित राज्य का सजीव वर्णन करने के लिए अभिशाप भाषा है। दानियेल की पुस्तक हमें बताती है कि एक दिन नबूकदनेस्सर बाहर गया, और उस ने नगर को देखकर कहा, क्या यह बाबुल वह महान नगर नहीं है, जिसे मैं ने अपने ही बल और अपने बल से बनाया है? भगवान अंततः उसे इस बारे में नम्र बनाते हैं। लेकिन ईश्वर अंततः नव-बेबीलोन साम्राज्य को फारसियों के हाथों में सौंपकर उसे पूरी तरह से नम्र करने जा रहा है।

यिर्मयाह 50 और 51 इसी बारे में है। हम धर्मग्रंथ की व्याख्या उसके आसपास के ऐतिहासिक संदर्भ और उस समय की साहित्यिक परंपराओं और भाषा के आलोक में करते हैं। मुझे आशा है कि इससे हमें इसे और अधिक प्रभावी ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

अगर हम इस पुस्तक के प्रति यही दृष्टिकोण रखते हैं, तो हम यह कहते हुए इसे छोड़ सकते हैं कि वाह, हमें इतिहास का एक और पाठ मिल गया। यह दिलचस्प है कि यह सब यिर्मयाह के दिनों में हुआ। यह दिलचस्प है कि नबूकदनेस्सर और नव-बेबीलोन साम्राज्य के साथ क्या हुआ, लेकिन तो क्या? इसका हमारे लिए क्या मतलब है? खैर, जब मैं बेबीलोन के नाम और शीर्षक और स्थान को देखना शुरू करता हूँ, तो मुझे एहसास होता है कि जब मैं शास्त्र में इसका अध्ययन कर रहा हूँ, तो शास्त्र में बेबीलोन सिर्फ एक प्राचीन शहर से कहीं ज़्यादा कुछ दर्शाता है।

इसलिए, मुझे लगता है कि इसका एक अनुप्रयोग महत्व है। भले ही यह विशिष्ट युगांतिक घटनाओं का वर्णन नहीं करता है, लेकिन इसका युगांतिक महत्व है क्योंकि बेबीलोन का भौगोलिक स्थान, वास्तव में, केवल एक शहर से कहीं अधिक कुछ दर्शाता है। और मेरा मानना है कि यदि आप उत्पत्ति तक वापस जाते हैं, तो शास्त्र में बेबीलोन जो दर्शाता है वह यह है कि बेबीलोन एक आदर्श राष्ट्र है जो मानवता और राजाओं और राज्यों और शासकों को दर्शाता है जो परमेश्वर और परमेश्वर के लोगों के विरोध में खड़े हैं।

पुराने नियम में इस्राएल का सबसे बड़ा दुश्मन बेबीलोन है, क्योंकि वे लोगों को बंदी बनाकर ले जाते हैं और मंदिर को नष्ट कर देते हैं। इस अर्थ में बेबीलोन परमेश्वर के उद्देश्यों के प्रति मानवीय विरोध को दर्शाता है। और यह उत्पत्ति अध्याय 11 में वापस जाता है, जहाँ बेबीलोन वह स्थान है जहाँ लोग प्रभु के आदेश की अवहेलना करते हुए एकत्र होते हैं और वे एक ऐसा टॉवर बनाते हैं जो आकाश तक पहुँचता है और फैला हुआ है।

और मुझे लगता है कि वे वहाँ जो कर रहे हैं वह यह है कि वे एक काउंटर किंगडम स्थापित कर रहे हैं। वे धर्म का एक वैकल्पिक रूप स्थापित कर रहे हैं जहाँ वे जिस तरह से चाहें भगवान के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं, और वे भगवान की अवज्ञा में जी रहे हैं। परमेश्वर ने आदम को अपना उप-शासनकर्ता बनाया था, और आदम, परमेश्वर की छवि के रूप में, परमेश्वर के शासन के अधीन रहेगा।

एडम ने इसके खिलाफ विद्रोह किया और वह परमेश्वर के शासन और परमेश्वर के प्रभुत्व से बाहर जाना चाहता था। बेबीलोन के जिन लोगों ने उत्पत्ति अध्याय 11 में इस मीनार का निर्माण

किया था, वे परमेश्वर के राज्य और परमेश्वर के अधिकार के प्रति उसी प्रकार की अवज्ञा का प्रतिनिधित्व करते हैं। बेबीलोन पूरे पुराने नियम में ईश्वर के प्रति मानवीय विरोध का घरेलू आधार है।

बेबीलोन और बेबीलोन के राजा के बारे में यह विचार बेबीलोन के राजा के बारे में एक ताना गीत में भी प्रतिबिंबित होता है जो यशायाह अध्याय 14 में पाया जाता है। यहां बेबीलोन के राजा का अहंकार, उसका अभिमान और परमेश्वर के प्रति उसकी अवज्ञा है। याद रखें कि राष्ट्रों के विरुद्ध इन भविष्यवाणियों में, यही प्राथमिक कारण है कि परमेश्वर न्याय लाने जा रहा है।

परन्तु बाबुल का राजा क्या कहता है सुनो। तुम्हें नया तरीका मिल गया है। बेबीलोन का राजा अपने आप से बहुत प्रभावित है।

यह उसका बयान है जब वह अंततः गिर गया। यहां बताया गया है कि लोग इस पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। हे दिन के तारे, हे भोर के सूर्य, तू कैसे स्वर्ग से गिर गया है!

अब, कई लोगों ने यहां संदर्भ में शैतान के पतन का वर्णन होते देखा है। यह बेबीलोन के राजा की मृत्यु है। वह वह है जो शुक्र के समान है, जो सुबह के समय भोर के तारे के रूप में आकाश के शीर्ष पर है।

लेकिन जब भोर के बाद सूरज उगता है, तो वह आसमान से गिर जाता है। यह बेबीलोन के राजा की मृत्यु है। लेकिन उसके अहंकार को सुनो।

तूने अपने मन में कहा, मैं परमेश्वर के तारागण से भी ऊपर स्वर्ग में चढ़ जाऊंगा। मैं अपना अधिकार और अपना सिंहासन ऊंचे स्थान पर स्थापित करूंगा। मैं उत्तर दिशा के सुदूर क्षेत्र में सभा के पर्वत पर बैठूंगा।

और लोगों ने शैतान को यहाँ इसलिए देखा है क्योंकि, ऐसा लगता है कि यह किसी इंसान से अलग है। लेकिन बेबीलोन का राजा अपने बारे में यही सोचता है। मैं अपनी शक्ति में ईश्वर जैसा हूँ।

और मैं अपना सिंहासन स्वर्ग में स्थापित करूंगा जहाँ मैं चाहूँगा। मैं परमेश्वर की अवहेलना करूँगा। मैं उसके राज्य की अवहेलना करूँगा।

मैं बादलों से भी ऊपर चढ़ जाऊंगा। मैं खुद को सबसे ऊंचे के समान बना लूंगा। वही बात जो शैतान ने आदम से कही थी।

फल खाओ, और तुम परमेश्वर के समान हो जाओगे। खैर, यहाँ बताया गया है कि बाबुल के राजा के साथ वास्तव में क्या हुआ। लेकिन तुम्हें अधोलोक में, गड्डे के दूर-दराज के इलाकों में ले जाया गया।

जो लोग तुम्हें देखेंगे वे तुम्हें घूरेंगे, और तुम्हारे बारे में सोचेंगे। तो, यहाँ एक आदमी है जो सोचता है कि वह ईश्वर जैसा है और वह दिव्य सभा में बैठने जा रहा है और खुद को सर्वोच्च ईश्वर जैसा बना देगा। उसके साथ क्या होने वाला है? खैर, देवता होने के उसके दावों के साथ समस्या यह है कि वह एक इंसान है, और वह अंततः मरने वाला है और अधोलोक में जाएगा।

और लगभग विनोदी तरीके से, हम यशायाह 14 में बेबीलोन के राजा के अधोलोक में उतरने को देखते हैं। और अन्य लोग और शासक और राजा जो वहाँ हैं जिन्हें बेबीलोन के राजा ने अपनी सेनाओं के साथ वहाँ रखा है, वे जैसे हैं, क्या आपने देखा कि आज कौन आया है? और यह लगभग वैसा ही है जैसे जेल में आने वाला पुलिस अधिकारी, वह उनमें से एक बन गया है। और यह ऐसा है जैसे, अपने शाही सम्मान के स्थान पर आ गया हो।

हमारे पास कीड़ों का एक बिस्तर है जिस पर आप अनंत काल तक लेटे रह सकते हैं। यह अंश उसके यह कहने से शुरू होता है, मैं अपना सिंहासन ऊँचे स्थान पर रखूँगा। यह अंश उसके अधोलोक में जाने और कीड़ों के बिस्तर पर लेटने के साथ समाप्त होता है।

ये बेबीलोन का दिखावा है. यह ईश्वर के विरुद्ध विद्रोह में मानवता का अहंकार है। डैनियल अध्याय दो में, डैनियल ने इतिहास को चार महान साम्राज्यों से जुड़े अन्यजातियों के समय के विकास के रूप में चित्रित किया है।

बेबीलोनियाई, मेडीज़, फ़ारसी, यूनानी और फिर एक चौथा साम्राज्य है जो या तो रोम या किसी युगांतकारी शक्ति या दोनों के संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। इन चार साम्राज्यों के अंत में, परमेश्वर का राज्य एक पहाड़ की तरह नीचे आता है और हमेशा वहाँ रहेगा। परमेश्वर का राज्य स्थायी रूप से स्थापित हो जाएगा।

ये राष्ट्र वहाँ हैं, वे यहाँ हैं, और वे चले गये हैं। ऐसा प्रतीत हो सकता है कि उनके पास महान शक्ति है, लेकिन अंततः वे नष्ट हो जायेंगे। इस परिच्छेद में बेबीलोन, केवल एक राज्य का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

यह इस बात की याद दिलाता है कि पूरी मानवता और हर मानव साम्राज्य, हर उस मानव साम्राज्य के साथ क्या होता है जो ईश्वर की अवज्ञा में खड़ा है। यह इस बात का उदाहरण है कि ईश्वर हर राज्य, हर उस साम्राज्य के साथ क्या करने जा रहा है जो उसके विरोध में खड़ा है। यिर्मयाह अध्याय 50, श्लोक 34 और 35 फिर से दर्शाते हैं कि बेबीलोन यहाँ क्या दर्शाता है।

नबूकदनेस्सर और उसके राज्य का वर्णन करने के लिए कुछ बहुत ही रोचक कल्पना का उपयोग किया जाता है। यहीवा कहता है, मुझे खेद है, यह अध्याय 51, श्लोक 34 और 35 है, और यहूदा कहता है, बेबीलोन के राजा नबूकदनेस्सर ने मुझे निगल लिया है। उसने मुझे कुचल दिया है।

उसने मुझे खाली बर्तन जैसा बना दिया है। उसने राक्षस की भाँति मुझे निगल लिया है। उसने मेरे व्यंजनों से अपना पेट भर लिया है।

उसने मुझे धो दिया है। इसलिए, इस अंश में, नबूकदनेस्सर और बेबीलोन साम्राज्य को पुराने नियम के अराजकता राक्षसों के रूप में वर्णित किया गया है, और लेविथान और समुद्री राक्षसों जैसे राक्षसों की तरह, जिनके खिलाफ भगवान लड़ता है और नियंत्रित करता है और उन्हें वश में करता है क्योंकि वे बुराई की शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। और मुझे लगता है कि यह प्राचीन निकट पूर्वी कल्पना अंततः इस तथ्य की ओर इशारा करती है कि ये राष्ट्र महान अजगर, शैतान, उस अजगर से प्रेरित हैं जिसका वर्णन हमारे लिए प्रकाशितवाक्य अध्याय 12 में किया गया है।

खैर, बेबीलोन उस अराजकता राक्षस का चित्रण है जो परमेश्वर से घृणा करता है, जो परमेश्वर, परमेश्वर के लोगों का विरोध करता है। प्रभु अंततः इन सभी राक्षसों को नष्ट करने जा रहा है। दानियेल, अध्याय 7 में, समुद्र से निकलने वाले अंतिम साम्राज्य का वर्णन किसी मनुष्य के रूप में नहीं किया गया है।

इसे एक जानवर, एक घिनौना राक्षस के रूप में वर्णित किया गया है। और यही वास्तव में मानव सरकार बन जाती है, और यही मानव प्रति-राज्य बन जाता है क्योंकि यह परमेश्वर की अवहेलना करता है और अपनी शक्ति स्थापित करना चाहता है। और प्रभु अंततः उस अंतिम शक्ति को उसी तरह नष्ट कर देगा जिस तरह उसने नबूकदनेस्सर और बेबीलोनियों को नष्ट किया था।

मेरा मानना है कि बुराई के प्रतीक और प्रतिमान के रूप में बेबीलोन का यह प्रतिनिधित्व नए नियम में भी जारी है। और जैसे ही शुरुआती ईसाई और शुरुआती चर्च रोम के साथ संघर्ष में लगे हुए हैं, और रोम चर्च को सता रहा है, शुरुआती चर्च बेबीलोन को देखने लगा है या रोम को बेबीलोन के दूसरे अवतार के रूप में देखने लगा है। मेरा मतलब है, वे एक ही भौगोलिक स्थान पर नहीं हैं, लेकिन वे एक ही आध्यात्मिक वास्तविकता का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राष्ट्र, राज्य और साम्राज्य जो परमेश्वर की अवहेलना करते हैं और परमेश्वर के लोगों पर अत्याचार करते हैं। और इसलिए बेबीलोन किसी भी राष्ट्र के लिए आदर्श बन जाता है जो ईश्वर के विरोध में खड़ा होता है। और फिर, जैसा कि हम आकलन करते हैं, इस सब में अमेरिका कहाँ खड़ा है? पवित्रशास्त्र में कहीं भी संयुक्त राज्य अमेरिका का कोई विशिष्ट संदर्भ नहीं है, लेकिन पीटर लीथर्ट फिर से कहते हैं कि हम बैबेल और जानवर के बीच कहीं हैं।

हम उन लोगों के बीच में हैं जिन्होंने उत्पत्ति अध्याय 11 में ईश्वर की अवहेलना करते हुए उस टॉवर का निर्माण किया था और वह जानवर जो रहस्योद्घाटन में समय के अंत में एक साम्राज्य बनाता है क्योंकि वह संतों और ईश्वर के लोगों पर युद्ध छेड़ने के लिए निकलता है। हम वहीं कहीं हैं। खैर, पहली शताब्दी में रोम बेबीलोन जैसा था उसका एक अवतार था।

तो, 1 पतरस 5:13. पीटर, जब वह इस पुस्तक को समाप्त कर रहा है, शुभकामनाएँ भेजता है और वह कहता है, वह जो बेबीलोन में है, जो इसी तरह चुनी गई है, आपको शुभकामनाएँ भेजती है। और मेरा बेटा मार्क भी ऐसा ही करता है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि पतरस कभी बेबीलोन गया था।

और इसलिए यहां बेबीलोन का संदर्भ यह है कि पीटर रोम में है, और वह रोम को बेबीलोन शहर के रूप में संदर्भित करता है। क्यों? क्योंकि एक टाइपोलॉजी है जो पूरे पवित्रशास्त्र में चल रही है। बाबेल की मीनार.

बेबीलोन परमेश्वर के विरोध का स्थान है। यशायाह और यिर्मयाह, बेबीलोनवासी, परमेश्वर के उपकरण हैं। वे परमेश्वर के लोगों से नफरत करते हैं।

वे विरोध करते हैं। वे उन पर अत्याचार करते हैं। रहस्योद्घाटन और नए नियम में, रोम बाबुल का प्रतिनिधित्व करने वाला एक और अवतार है। और इसलिए, प्रकाशितवाक्य 17-18 में, इसका अंतिम पहलू यह है कि महान बेबीलोन मसीह विरोधी के राज्य का केंद्र बन जाता है।

और मैं आभारी हूं कि मुझे प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में मौजूद सभी व्याख्यात्मक मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता नहीं है और खुशी है कि मैं इसे किसी और के लिए छोड़ सकता हूं। लेकिन मेरा मानना है कि वहां वास्तव में ऐतिहासिक और युगांतशास्त्रीय दोनों संदर्भ हैं। रोम उस बात का प्रतिनिधित्व करता है जिसके बारे में जॉन वहां बात कर रहा है।

17-9 में, बेबीलोन शहर का वर्णन सात पहाड़ियों पर स्थित एक शहर के रूप में किया गया है। ऐसा लगता है कि यह बेबीलोन का नहीं बल्कि रोम का प्रतिनिधित्व है। लेकिन फिर, वहां हमें जो चित्रित किया गया है वह सिर्फ रोम नहीं है, बल्कि यह ईश्वर और ईश्वर के लोगों का विरोध है जो समय के अंत तक जारी रहेगा, और अंततः पाप के आदमी के विद्रोह में परिणत होगा जो नेतृत्व करेगा दुनिया फिर से भटक गई.

तो, क्या यिर्मयाह 50-51 में बेबीलोन के फैसले के बारे में हमारे पास मौजूद ऐतिहासिक सबक की कोई प्रासंगिकता या महत्व है? बिल्कुल। यह एक ऐसे संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है जो संपूर्ण धर्मग्रंथ में, मनुष्य के विपरीत साम्राज्य बनाम ईश्वर के विपरीत साम्राज्य में उत्पन्न होता है। बेबीलोन उस प्रति साम्राज्य का प्रतिनिधित्व करता है।

आखिरकार जीत भगवान की होती है। वे सभी साम्राज्य जो परमेश्वर के विरुद्ध विद्रोह में खड़े हैं, यहजेकेल अध्याय 31, वे सभी अंततः अधोलोक में चले जायेंगे। तो, यहाँ भगवान के लोगों को दिया गया एक अविश्वसनीय वादा है कि हम जीत की ओर हैं।

ठीक है, अब मेरा मानना है कि रहस्योद्घाटन की पुस्तक, यिर्मयाह की पुस्तक, जैसा कि यह इन दो प्रति-राज्यों के बारे में बात करती है, फिर से हमें सिर्फ युगांत संबंधी जानकारी नहीं दे रही है, बल्कि यह हमें अपने जीवन के बारे में सोचने और खुद को कहाँ संरेखित करने के लिए कह रही है। प्रतीकात्मक रूप से, आइए हम प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में सिर्फ बेबीलोन और नए यरूशलेम के बारे में न सोचें, जो हमें युगांत संबंधी जानकारी दे रहे हैं। आइए हम सोचें कि वे शहर प्रतीकात्मक रूप से क्या दर्शाते हैं और हम खुद को कहाँ संरेखित करते हैं।

डेसमंड अलेक्जेंडर ने अपनी पुस्तक फ्रॉम ईडन टू द न्यू जेरूसलम में यह लिखा है। उनका कहना है कि रहस्योद्घाटन के बेबीलोन को अक्सर रोम के लिए एक सिफर माना जाता है, जो

पहली शताब्दी ईस्वी का सबसे बड़ा शहर या महान शहर था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि रोम बेबीलोन की छवि में शामिल है।

हालाँकि, एक प्रतीक के रूप में बेबीलोन को रोमन साम्राज्य की राजधानी तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि यह ईश्वर से अलग होने पर मनुष्य जो प्रयास करता है उसका प्रतिनिधित्व और प्रतीक करता है। बेबीलोन उस शहर का विपरीत है जिसे ईश्वर स्वयं पृथ्वी पर बनाना चाहता है। वह बाद में अगले पृष्ठ पर कहता है, रहस्योद्घाटन में, बेबीलोन शहर धन और शक्ति के प्रति मानवता के जुनून का प्रतीक है, जो ईश्वर को जानने का विकल्प बन जाता है।

इतिहास बेबीलोन के निरंतर अस्तित्व का गवाह है क्योंकि एक के बाद एक राष्ट्रों ने दूसरों की कीमत पर अमीर बनने के लिए अपनी शक्ति का उपयोग किया है। हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहाँ आर्थिक शक्ति राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर हावी है। जेम्स रेसिगे, रहस्योद्घाटन पर अपनी टिप्पणी में, एक कथात्मक टिप्पणी, बेबीलोन और न्यू जेरूसलम के बारे में भी अपनी टिप्पणी में कुछ इसी तरह की बात कहते हैं।

मुझे वहाँ केवल कुछ उद्धरण पढ़ने दीजिए, और हम इन सबको एक साथ जोड़ देंगे। दो शहर, बेबीलोन और न्यू जेरूसलम, प्रतीकात्मक हैं। नया येरुशलम आदर्श शहर, ईश्वर का शहर, नई वादा की गई भूमि है।

दूसरा प्रतीकात्मक बेबीलोन यरूशलेम की शैतानी पैरोडी है। बेबीलोन अपने सात पहाड़ों के साथ रोम जैसा दिखता है, देवत्व का दावा करता है; उसके सिंहासन और लाल रंग के जानवर पर निंदात्मक नाम लिखे हुए थे। फिर भी बेबीलोन शाही शहर से भी बढ़कर है।

यह बेबीलोन है, जो अलगाव में निर्वासित इस्राएल का प्राचीन शहर है। यह सदोम है और दुष्टता का प्रतीक है। वह आगे कहते हैं कि बेबीलोन और यरूशलेम सर्वनाश के दो विकल्पों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बेबीलोन, इस दुनिया का शहर, ईसाइयों के लिए निर्वासन और अलगाव का स्थान, उन लोगों के लिए आध्यात्मिक राजधानी है जो सांसारिक हैं, जिनका दृष्टिकोण नीचे से और इस दुनिया से है। सांसारिक लोगों में न केवल चर्च के बाहर के लोग, बल्कि इसके भीतर के लोग भी शामिल हैं। बाबुल वह स्थान है जहाँ जगत के निवासी रहते हैं, और उस पशु के अनुयायी अपना सिंहासन बनाते और अपना घर बनाते हैं।

फिर भी बेबीलोन न केवल पृथ्वी के निवासियों का घर है, यह वह जगह भी है जहाँ, इस वर्तमान बुरे युग में, ईसाई रहते हैं, हालाँकि इसे उनका घर नहीं कहा जा सकता है। जॉन की दुनिया में ईसाइयों को बेबीलोन में निर्वासित कर दिया गया है। इस प्रकार, जॉन ईसाइयों को बेबीलोन से बाहर आने और उसके पापों में भाग न लेने के लिए कहते हैं।

तो, मेरा मानना है, हाँ, इस सब में एक युगांतकारी संदेश है। अमेरिका के लिए एक चेतावनी है। दुनिया के हर देश के लिए एक चेतावनी है।

बेबीलोन जैसे राष्ट्रों का जो होगा वह अंततः नष्ट हो जाएगा। लेकिन हम सभी के लिए एक व्यावहारिक अनुप्रयोग है, यहाँ तक कि अब एक व्यक्ति के रूप में भी। हम अपने आप को कहाँ संरेखित करते हैं? क्या हम इस दुनिया के दायरे में रहते हैं और इस दुनिया से प्यार करते हैं और उन मूल्यों, विचारों और विश्व व्यवस्था के साथ रहते हैं जो बेबीलोन को प्रतिबिंबित करता है? या क्या हम उन मूल्यों और राज्य की प्राथमिकताओं के साथ रहते हैं जो नए यरूशलेम को प्रतिबिंबित करते हैं? इन सबका एक तरह से व्यावहारिक व्यक्तिगत अनुप्रयोग। लेकिन यिर्मयाह 46-51 में भगवान का संदेश यह है कि भगवान को पृथ्वी के राष्ट्रों का न्याय करना था।

परमेश्वर यिर्मयाह के समय के राष्ट्रों का न्याय करने जा रहा था। और यह उनके बाद आने वाले राष्ट्रों के लिए भी एक संदेश है। हो सकता है कि यह सीधे तौर पर हमारे लिए धर्मग्रंथ न हो, लेकिन यह वह धर्मग्रंथ है जो अंततः हम पर लागू होता है।

अब, अगर यिर्मयाह 46-51 में यही सब था, तो मुझे लगता है कि हम एक महत्वपूर्ण संदेश सुनेंगे, लेकिन वह बहुत निराशाजनक है। राष्ट्र परमेश्वर के न्याय के अधीन आ रहे हैं। लेकिन मेरे पास जो आखिरी दो मिनट हैं, उनमें यिर्मयाह की किताब से आपको कुछ भी सिखाने का यह मेरा आखिरी प्रयास है।

अविश्वसनीय रूप से, न्याय के इन संदेशों के बीच, इनमें से कुछ राष्ट्रों को एक वादा भी दिया गया है। अब, यहाँ बेबीलोन को कोई उम्मीद नहीं दी गई है, लेकिन यिर्मयाह 48-47 यह कहता है, और इस अंश को नोट करना दिलचस्प है। परमेश्वर ने मोआबियों का न्याय करने के बाद, जो लंबे समय से इस्राएल के प्रतिद्वंद्वी थे, प्रभु कहते हैं, फिर भी मैं मोआब के भाग्य को बहाल करूँगा।

और अंत के दिनों में, यहोवा की यह वाणी है, मोआब पर न्याय का समय आ गया है। परमेश्वर कहता है, मोआबियों का न्याय करने के बाद, मैं उनका भाग्य बदल दूँगा। मैं उन्हें शब दूँगा। शाबूत .

मैं उन मूर्तिपूजक लोगों के लिए वही करने जा रहा हूँ जो मैंने अपने लोगों के लिए किया था। अध्याय 49, पद छह, अम्मोनियों, और याद रखें कि उन्होंने इस्राएल के क्षेत्र पर अतिक्रमण किया था, और इसीलिए उनका न्याय किया जा रहा था। लेकिन अध्याय 49, पद छह में अम्मोनियों पर इस अंश के अंत में, प्रभु कहते हैं, लेकिन उसके बाद मैं उन्हें चुप करा दूँगा। शाबूत .

मैं अम्मोनियों का भाग्य फिर से बहाल करूँगा, यहोवा की यही वाणी है। अध्याय 49, पद 39, यहोवा यह कहता है: लेकिन अंतिम दिनों में, मैं एलाम का भाग्य फिर से बहाल करूँगा, यहोवा की यही वाणी है। अब हम विशिष्ट कारणों को नहीं जानते हैं।

परमेश्वर ऐसा क्यों कहता है कि वह इनमें से कुछ लोगों का भाग्य बहाल करेगा और दूसरों का नहीं? फिर से, मुझे यकीन नहीं है कि यह लोगों के विशिष्ट समूहों के बीच कोई अंतर कर रहा है। मुझे लगता है कि यह केवल यह दर्शाता है कि जब परमेश्वर पृथ्वी के राष्ट्रों पर अपना न्याय लागू करता है, तब भी उसकी अंतिम योजना और उसका अंतिम डिज़ाइन उन राष्ट्रों के लोगों को परमेश्वर के राज्य में लाना है और जब वे इस्राएल के मसीहा को जानेंगे तो उनका भाग्य बहाल हो

जाएगा। जैसे परमेश्वर इस्राएल के लिए उनके भाग्य को बहाल करने में अपना महान कार्य करता है, वैसे ही प्रभु अपने आस-पास के राष्ट्रों के लिए भी बिल्कुल वैसा ही करने जा रहा है।

वे परमेश्वर के राज्य में शामिल होने जा रहे हैं। एक आखिरी अंश है जिसे मैं चाहता हूँ कि हम यिर्मयाह में देखें जो मुझे लगता है कि बिल्कुल उसी विचार को दर्शाता है। परमेश्वर के पास राष्ट्रों के लिए उद्धार की योजनाएँ हैं जो इस्राएल के लोगों के लिए उसकी योजनाओं और डिजाइनों और इरादों के समान हैं।

बाइबिल में मिशन मैथ्यू 28 में महान आयोग से शुरू नहीं होता है। मिशनरी प्रयास अधिनियम 1-8 और भगवान द्वारा अपने लोगों को यरूशलेम, यहूदिया, सामरिया और पृथ्वी के छोर पर गवाह बनने के लिए भेजने से शुरू नहीं होता है। मिशन उत्पत्ति अध्याय 12 से शुरू होता है।

मैं तेरे माध्यम से पृथ्वी पर सभी राष्ट्रों को आशीर्वाद दूंगा। और इसलिए, भविष्यवक्ता, जैसे वे इज़राइल की बहाली के बारे में बात करते हैं, वे राष्ट्रों की बहाली के बारे में भी बात करने जा रहे हैं। पुराने नियम के सभी महान मिशनरी अंशों में से एक जिसका उपयोग हम यिर्मयाह की पुस्तक के अपने अध्ययन को समाप्त करने के लिए करेंगे, वह हमारे लिए यिर्मयाह अध्याय 12, छंद 14-17 में पाया जाता है।

इस अंश को सुनें. यहोवा मेरे उन सब दुष्ट पड़ोसियों के विषय में यों कहता है, जो उस विरासत को छूते हैं जिसे मैं ने अपनी प्रजा इस्राएल को विरासत में दिया है। देख, मैं उनको उनके देश में से उखाड़ डालूंगा, और यहूदा के घराने को उनके बीच में से उखाड़ डालूंगा।

परमेश्वर यहूदा के घराने के साथ क्या करने जा रहा है? वह उन्हें उखाड़ देगा, उलट देगा, नष्ट कर देगा। वे क्रियाएँ हैं जो निर्णय के कार्य का वर्णन करती हैं। परमेश्वर राष्ट्रों के साथ भी ऐसा ही करने जा रहा है।

लेकिन यहाँ वादा है. उन्हें उखाड़ने के बाद मैं फिर उन पर दया करूँगा। और वह पद केवल यहूदा के बारे में बात नहीं करता है।

यह राष्ट्रों के बारे में बात कर रहा है। और मैं उन को अपने निज भाग में, और अपने देश में फेर ले आऊँगा। और ऐसा होगा कि यदि वे परिश्रमपूर्वक यहोवा के जीवन की शपथ खाकर मेरे नाम की शपथ खाना मेरे लोगों की रीति सीखें, जैसे उन्होंने मेरे लोगों को बाल की शपथ खाना सिखाया है, तो वे मेरे लोगों के बीच में स्थापित हो जाएंगे।

फिर, वही शब्द जो इज़राइल के उद्धार, रोपण और निर्माण का वर्णन करने के लिए उपयोग किए जाते हैं, राष्ट्रों का भी वर्णन करते हैं। एक आश्चर्यजनक बात यह है कि भगवान का उद्धार कनानियों तक भी फैला हुआ है, जिन्होंने इस्राएलियों को बाल की शपथ लेना सिखाया, वे लोग जिनके बारे में माना जाता था कि जब इस्राएली वादा किए गए देश में आए थे तो वे नष्ट हो गए थे। यहां तक कि वे मोक्ष का आशीर्वाद भी प्राप्त करते हैं।

यह हमारे लिए एक अनुस्मारक है कि भगवान अंततः हर जनजाति, हर राष्ट्र और हर लोगों के समूह से अपना राज्य बनाने जा रहे हैं। इस्राएल के लोगों के लिए, उस राज्य में ऐसे लोग और राष्ट्र शामिल होने वाले थे जिनके बारे में उन्होंने कभी भी परमेश्वर के आशीर्वाद के तहत आने की कल्पना नहीं की होगी। यिर्मयाह, कितनी महान और शक्तिशाली पुस्तक है।

इसे सिखाने में सक्षम होना और इस वीडियो श्रृंखला में शामिल होना सम्मान की बात है। परन्तु यिर्मयाह न्याय और उद्धार दोनों का भविष्यवक्ता है। और वह न्याय इस्राएल और यहूदा के लोगों के लिये है।

और वह उद्धार इस्राएल और यहूदा के लोगों के लिए भी है। लेकिन परमेश्वर का न्याय और परमेश्वर का उद्धार राष्ट्रों के लिए है। और यही कारण है कि यिर्मयाह की पुस्तक हमसे बात करना जारी रखती है और क्यों इसमें एक शक्तिशाली संदेश है जो आज भी हमारे लिए प्रासंगिक और लागू है, ठीक वैसे ही जैसे यह उस संदर्भ में था जिसमें इसे पहली बार दिया गया था।

हमारे साथ होने और इस अध्ययन का हिस्सा बनने के लिए फिर से धन्यवाद।

यह डॉ. गैरी येट्स हैं जो यिर्मयाह की पुस्तक पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह अंतिम सत्र है, सत्र 30, यिर्मयाह 50-51, राष्ट्र की भविष्यवाणियाँ, विशेष रूप से बेबीलोन पर केंद्रित है।